यूपीईएस के छात्रों ने बनाया फ्लेक्स फ्यूल

• ऊर्जा समाधान को लेकर गेम चेंजिंग इनोवेशन

लखनऊ। आज की हाई-टेक दुनिया में इनोवेशन केवल एक अवधारणा नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। अपने मूल में इनोवेशन के साथ, यूपीईएस के छात्र उत्कृष्टता के जुनून और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर लगातार ज्ञान और इंजीनियरिंग की सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसी ही एक अभूतपूर्व परियोजना बीटेक की पढ़ाई कर रहे मेहनती छात्रों के एक समूह की ओर से आई है, जिसमे एप्लाइड पेट्रोलियम इंजीनियरिंग-गैस में इथेनॉल मिश्रण के साथ फ्लेक्स ईंधन का निर्माण से ईंधन के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के मिशन पर शुरुआत की।

पुष्पेंदु सिन्हा, ऋषभ किंगर, सिद्धार्थ राज, विवेक नेगी और वरुण सिंह कुशवाह के नेतृत्व में इस दूरदर्शी परियोजना का उद्देश्य 'फ्लेक्स फ्यूल' विकसित करना है, जो एक बहुमुखी समाधान है। यह पारंपरिक गैसोलीन के साथ इथेनॉल की शक्ति को जोड़ता है। टीम ने अलग-अलग अनुपात में गैसोलीन के साथ इथेनॉल को मिश्रित करके सावधानीपूर्वक फ्लेक्स फ्यूल के चार ग्रेड - ई10,ई20, ई30 और ई40 तैयार किए। ई10 में 10 प्रतिशत इथेनॉल और 90 प्रतिशत गैसोलीन होता है, जबकि ई20, ई30 और ई40 में गैसोलीन के साथ-साथ इथेनॉल सांद्रता बढ़ती है।

यह परियोजना वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने में छात्र-नेतृत्व वाले इनोवेशन की परिवर्तनकारी शक्ति का उदाहरण देती है। कठोर रिसर्च, प्रयोग और सहयोग के माध्यम से, छात्रों ने न केवल एक अभूतपूर्व समाधान विकसित किया है, बल्कि वैकल्पिक ईंधन और टिकाऊ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में भविष्य की प्रगति के लिए आधारशिला भी रखी है।

यूपीईएस उन पहलों का समर्थन करने में गर्व महसूस करता है, जो रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और व्यावहारिक सीखने को बढ़ावा देती हैं। अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं, विशेषज्ञ फैकल्टी और उद्योग साझेदारियाँ छात्रों को विचारों को वास्तविकता में बदलने के लिए आवश्यक संसाधन और सलाह प्रदान करती हैं। यूपीईएस में इनोवेशन की कोई सीमा नहीं है, जहां छात्रों को एक उज्जवल कल की ओर नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाया जाता है। फ्लेक्स फ्यूल प्रोजेक्ट हमारे छात्र समुदाय की सरलता, समर्पण और प्रभाव का प्रमाण है।